भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *43 जिसका उत्तर

शुक्रवार, **09 दिसम्बर,** 2022/18 अग्रहायण, 1944 (शक) को दिया जाना है

तटीय पर्यटन परियोजनाएं

†*43. एडवोकेट ए. एम. आरिफ़ :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने अलाप्पुझा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में सागरमाला कार्यक्रम में शामिल चार तटीय पर्यटन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की है और यदि हां, तो उक्त प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने उपर्युक्त परियोजनाओं को पूरा करने के लिए धनराशि जारी/संस्वीकृत की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उपर्युक्त परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उपर्युक्त प्रत्येक परियोजना को पूरा करने की अनन्तिम समय-सीमा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (घ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

"तटीय पर्यटन परियोजनाएं" के संबंध में एडवोकेट ए. एम. आरिफ़ द्वारा पूछे गए दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *43 के उत्तर के भाग (क) से (घ) तक में संदर्भित विवरण

(क) से (घ): तटीय जिलों का समग्र विकास करना पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सागरमाला कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसे तटीय क्षेत्रों में अवसंरचना के महत्वपूर्ण अंतरों को पाटने, स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने, निवेश आकर्षित करने, समन्वित रूप से विभिन्न विकास कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है ताकि तटीय समुदायों को समृद्ध और सशक्त बनाया जा सके।

संबंधित राज्य सरकारों, संघ राज्य प्रशासन क्षेत्रों, राज्य मैरीटाइम बोर्डों, महापत्तनों, जिला कलेक्टरों और तटीय निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले संसद सदस्यों के साथ एकाधिक बार परामर्श करने के पश्चात् मंत्रालय ने 58,704 करोड़ रु. की अनुमानित लागत वाली कुल 567 परियोजनाओं की पहचान की है जिनके अंतर्गत 04 प्रमुख क्षेत्रों अर्थात तटीय अवसंरचना विकास, तटीय औद्योगिक विकास, तटीय पर्यटन विकास और तटीय समुदाय विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।

केरल राज्य में 6,131 करोड़ रु. की अनुमानित लागत वाली कुल 63 परियोजनाओं की पहचाल की गई है। ये परियोजनाएं, फिशिंग हार्बर, लाइटहाउस, साइलो/ वैयरहाउस, रो-रो एवं यात्री फैरी और कौशल विकास आदि से संबंधित हैं।

अलप्पुझा जिले में 255.35 करोड़ रु. की अनुमानित लागत वाली कुल 04 पर्यटन परियोजनाओं की पहचान की गई है। ये परियोजनाएं लाइटहाउस और मैरीटाइम म्यूजियम से संबंधित हैं। परियोजनाओं की सूची, उनकी स्थिति सहित **अनुबंध-1** में प्रदान की गई है।

अलप्पुझा में तटीय जिलों के समग्र विकास के अंतर्गत पहचानी गई परियोजनाओं के लिए सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत कोई निधि जारी नहीं की गई है। तथापि, केरल राज्य से वित्त पोषण, यदि कोई अपेक्षित है, के लिए सागरमाला योजना के अंतर्गत प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है। सरकार ने अलप्पुझा जिले में लाइटहाउस परियोजनाओं की समीक्षा की है। केरल सरकार की परियोजनाओं की हाल ही में दिनांक 24.11.2022 को समीक्षा की गई है।

अनुबंध I

अलप्पुझा में तटीय जिलों के समग्र विकास के अंतर्गत पहचानी गई परियोजनाओं की सूची

क्रम. सं.	परियोजना का नाम	विकास क्षेत्र	कार्यान्वयन एजेंसी	कुल परियोजना लागत (करोड़ रु. में)	स्थिति
1	माणक्कोडम लाइटहाउस पर्यटन	लाइटहाउस पर्यटन परियोजनाएं	दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालय (डीजीएलएल)	1.00	वर्तमान में माणक्कोडम लाइटहाउस पर आने वाले पर्यटकों की संख्या बहुत सीमित है। डीजीएलएल सूवेनियर काउंटर, पर्यावरण-अनुकूल संरचनाओं में आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकानें, लैंडस्केपिंग एवं गजिबो, अग्नि रहित रसोई से युक्त ओपन कैफीटेरिया, बैठने की मूवेबल व्यवस्था, बच्चों के खेलने का स्थान आदि जैसी टिकाऊ पर्यावरण-अनुकूल संरचनाओं के साथ विकास कार्य कर रहा है।
2	अलप्पुझा (एलेप्पी) लाइटहाउस पर्यटन	लाइटहाउस पर्यटन परियोजनाएं	दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालय (डीजीएलएल)	4	अलप्पुझा लाइटहाउस के एक हिस्से में मैरीटाइम हैरीटेज म्यूजियम स्थापित किया गया है, जिसमें लाइटहाउस के विरासती महत्व और भारत के मैरीटाइम इतिहास को प्रदर्शित किया गया है। लाइटहाउस में पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। मौजूदा सुविधाओं के अतिरिक्त, डीजीएलएल, सूचना केन्द्र/ सूवेनियर काउंटर/ आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकानें/ आयुर्वेदिक

					कायाकल्प केन्द्र/ कॉफी शॉप/ बाहर बैठने की व्यवस्था/ लैंडस्कैपिंग आदि जैसे सुविधाएं विकसित कर रहा है।
3	वलियाझिक्कल लाइटहाउस पर्यटन	लाइटहाउस पर्यटन परियोजनाएं	दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालय (डीजीएलएल)	0.35	डीजीएलएल सूवेनियर काउंटर, पर्यावरण-अनुकूल संरचनाओं में आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकानें, लैंडस्केपिंग एवं गजिबो, अग्नि रहित रसोई के साथ ओपन कैफेटेरिया, बैठने की मूवेबल व्यवस्था, बच्चों के खेलने का स्थान आदि जैसी टिकाऊ पर्यावरण-अनुकूल संरचनाओं के साथ विकास कार्य कर रहा है।
4	अलप्पुझा विरासत परियोजना (मैरीटाइम म्यूजियम)	पत्तन और मैरीटाइम म्यूजियम	पर्यटन विभाग, केरल	250	केरल सरकार ने सूचित किया है कि अलप्पुझा विरासत परियोजना को मंजूरी प्राप्त हो गई है। इसके अंतर्गत बैकवाटर, तटों और स्मारकों को जोड़ने की व्यापक परियोजना है।

*****